रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

# इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 47 ● अंक – 09 ● कानपुर 1 से 15 मई 2025 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

# भव्यता के साथ स्वर्ण जयन्ती सम्पन्न

## गुजरात एवं बिहार प्रान्त के चिकित्सकों ने भी दर्ज करायी अपनी उपस्थिति

लखनऊ– 24 अप्रैल आज यहां स्थानीय चौधरी चरण सिंह सहकारिता भवन के सेमिनार हॉल में बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का 50 वीं वर्षगाँठ समारोह बड़े ही हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ, समारोह का शुभारम्भ द्वीप प्रज्जवलित कर हुआ इसके तुरन्त बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउन्ट सीज़र मैटी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया, सबसे पहले मंच की शोभा को मूर्त रुप देने के उद्देश्य से मंच पर ईशू के संस्थापक श्री मुहम्मद खालिद को मंचासीन किया गया इसके बाद बिहार से आये डा0 सीता राम पंडित को मंच पर स्थान ग्रहण करने हेतु अमंत्रित किया गया तत्पश्चात बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 मोहम्मद हाशिम इदरीसी को मुख्य अतिथि की विशेष कुर्सी पर विराजमान किया गया इसके बाद भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट जौनपुर के प्रधानाचार्य डा0 प्रमोद कुमार मौर्या, माँ सरजु देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखीमपुर के प्रधानाचार्य डा0 आर0 के0 शर्मा, गुजरात से आये डा0 आर0सी0 मौर्या एवं बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसन, उ0प्र0 के रजिस्ट्रार श्री संजय द्विवेदी को मंच की गरिमा बनाने हेतु अमंत्रित किया गया।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट/इलेक्ट्रो

शेष पेज 2 पर

## तीसरी आँख की झलकियाँ

बोर्ड के चेयरमैन को पहनाई गयी 50 किलो की माला
मंचासीन चिकित्सकों को बैठाने में प्रटोकॉल हुआ फेल
मंच के बीचोबीच 50 किलो की माला बनी आकर्षण का केन्द्र
मंच पर आसीन एक चिकित्सक कई बार ऐंक्रिंग करने गये
मंच की साज–सज्जा को कई लोगों ने सराहा
कार्यक्रम संचालक ने लोगों से खूब तालियां बजवायायीं
तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूँज उठा
" द शो मस्ट गो ऑन " वाली कहावत हुई चरितार्थ
कार्यक्रम के समापन तक हर व्यक्ति रहा पूर्ण अनुशासित
सभागार की सभी सीटे थीं फुल लोग खड़े हुये देखे गये

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी, द्वीप जलाकर स्वर्ण जयन्ती कार्यक्रम का उदघाटन करते हुये

# स्वर्ण जयन्ती और इलेक्ट्रो होम्योपैथी

*आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करना ही हमारी पहली प्राथमिकता है इसे स्थापित करने के लिए हम वह हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं जो करने चाहिये राष्ट्रीय स्तर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करना आसान काम नहीं है क्योंकि इसे स्थापित करने में जो भी विसंगतियां और अड़चने हैं हम उन्हें नज़र अन्दाज़ नहीं कर सकते हैं बल्कि हमें उनका डटकर मुकाबला भी करना होगा और समय के अनुकूल विधि सम्मत ढंग से निपटना होगा, पूरे देश में 29 राज्य व 7 केन्द्र शासित प्रदेश हैं हर राज्यों की अपनी अपनी व्यवस्थायें हैं और अपने अपने कानूनी ढंग।*

*उत्तर प्रदेश राज्य में तो शासनादेश जारी करवाकर प्रारम्भिक तौर पर हमने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करने की दिशा में सफलता प्राप्त कर ली है परन्तु अभी इस प्रदेश में भी बहुत कुछ पाना शेष है चिकित्सा जगत से जुड़े हर व्यक्ति को यह जानकारी रखनी चाहिये कि चिकित्सा के क्षेत्र में नियमन तो केन्द्र सरकार करती है लेकिन उनका संचालन राज्य स्तर पर होता है, हर राज्य केन्द्र के निर्देशों का पालन तो करता है परन्तु अपने प्रचलित कानूनों में 21 जून, 2011 को भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय द्वारा आदेश पारित हो जाने के बाद देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी में व्याप्त अनिश्चितता का वातावरण तो समाप्त हो गया और यह निश्चित हो गया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का संचालन 25 नवम्बर, 2003 को निर्गत आदेश के निर्देशों के अनुसार होता रहेगा जबतक कि भारत सरकार इस चिकित्सा पद्धति को विनियमित नहीं कर देती है इससे सरकारी विरोध तो खत्म हो गया लेकिन आज भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी संचालकों को अन्तरविरोधों का परिणाम झेलना पड़ रहा है, होना तो यह चाहिये कि 21 जून, 2011 का आदेश आ जाने के बाद सभी को अपने अपने अहम त्याग कर कार्य में लग जाना चाहिये था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया, परिणाम स्वरूप चौदह वर्ष बीत जाने के बावजूद न तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के शीर्ष संस्था संचालक ही स्थापित हो पाये और न ही उन्होंने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करने की दिशा में कोई सकारात्मक प्रयास किये यह ज़रूर है कि लोग अपने अपने स्तर से काम करने लगे हैं जिससे कि पद्धति का प्रचार तो हो रहा है लेकिन परिणाम सुखद नहीं आ पा रहे हैं जनता के बीच में जो सकारात्मक संदेश जाना चाहिये वह नहीं जा पा रहा है अगर इसका कारण तलाशते हैं तो इसके मूल में स्वयं कहीं न कहीं खुद ही होते हैं।*

*सबकुछ चल रहा है लेकिन नहीं चल रही है तो वह है इलेक्ट्रो होम्योपैथी, यह केवल सतही बात नहीं है बल्कि इसपर गम्भीर चिन्तन की आवश्यकता है 21 जून, 2011 का आदेश निश्चित तौर संस्था विशेष के लिए है लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिये कि यह आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए है जो अवसर प्राप्त हुआ है सबको कार्य करना चाहिये लेकिन कार्य विधिसम्मत तरीके से किया जा रहा हो ,जो कोई भी या जो भी संस्था विधिसम्मत तरीके से कार्य कर रही है उसका सहयोग व समर्थन हम करते हैं हमारे लिए न तो कोई छोटा है और न कोई बड़ा।*

*हम ऐसे हर उस व्यक्ति का उस संगठन का उस संस्थान का सहयोग लेने व देने के लिए तैयार हैं जो वर्तमान में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सही मायने में स्थापित करने की दिशा में कार्य करना चाहते हैं इलेक्ट्रो होम्योपैथी का क्षेत्र बहुत बड़ा है और इसमें सम्भावनायें भी अपार हैं लेकिन इन सम्भावनाओं को तलाशना और उन पर कार्य करना यह हमारे विवेक पर निर्भर करता है।*

*अस्तु वह सारे के सारे लोग जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए समर्पित हैं सरकार की वर्तमान योजना के अनुरुप एक बार बैठकर चिन्तन करें कि स्थापना के लिए अब क्या करना चाहिये ? उन्हें हमसे परहेज करने का अधिकार है लेकिन हमें उन्हें स्वीकारने में परहेज नहीं है, प्राप्त सूचना के अनुसार वर्ष 2018 में राजस्थान विधान सभा द्वारा पारित इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति बिल की व्यवस्थानुसार राजस्थान बोर्ड का नामांकन कर दिया गया है जिसकी प्रभावी तिथि आज ही है, इस सम्बंध में अग्रिम कार्यवाही विधेयक के अनुरुप की जानी शेष है अब यह समय सीमा कब पूर्ण होगी क्योंकि विधेयक की कमान आयुष विभाग को सौंपी गयी है विभाग के प्रमुख सचिव इस बोर्ड के अध्यक्ष एवं निदेशक आयुर्वेदिक रजिस्ट्रार नामित किये गये हैं।*

# भव्यता के साथ ..... प्रथम पेज से आगे

होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट /स्टडी सेन्टर्स के प्रमुखों द्वारा बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 मोहम्मद हाशिम इदरीसी को 50 किलो की माला को डा0 नरेन्द्र भूषण निगम व डा0 शिव कुमार पाल के सहयोग से डा0 मोहम्मद हाशिम इदरीसी को पहनाई गयी, इसके बाद तो माल्यार्पण करने की होड़ सी लग गयी इसके बाद छात्रों–छात्राओं का नम्बर आया वे भी किसी से पीछे नहीं रहे माल्यार्पण का कार्यक्रम बहुत देर तक चला मंच से कई बार मालाओं को हटाने का काम स्टेज बॉएज़ ने बखूबी निभाया, माल्यार्पण के पश्चात सम्मान कार्यक्रम की श्रंखला में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट /इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट /स्टडी सेन्टर्स/गाईडेन्स सेन्टर्स एवं परीक्षा केन्द्रों के प्राचार्य/संचालक/समन्वयक/प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया, इस अवसर पर एक स्मृतिका भी मंच से जारी की गयी तालियों की गूंज पूरे सभागार में गूँज उठी, बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का पचास वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर मंच पर लगे बैनर व सभागार के द्वार पर फूल मालाओं की सजावट देखते ही बनती थी स्वर्ण जयन्ती के लोगो का **creation** बोर्ड के वरिष्ठ कर्मचारी डा0 अतीक अहमद जो 45 वर्षों से अपनी सेवायें दे रहे हैं के द्वारा किया गया, कार्यक्रम में आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट

रायबरेली के प्रधानाचार्य डा0 पी0 एन0 कुशवाहा, अक्ष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखनऊ, भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट जौनपुर के प्रधानाचार्य डा0 प्रमोद कुमार मौर्या, माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखीमपुर के डा0 आस0 के शर्मा, चाँद पार लेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट आज़मगढ़ के डा0 मुश्ताक अहमद, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट शाहजहाँपुर के डा0 अम्मार बिन साबिर, शाहगंज इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट शाहगंज, जौनपुर के प्रधानाचार्य डा0 एस0 एन0 राय, देवरिया इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के संचालक डा0 पी0 के0 श्रीवास्तव, फतेहपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के संचालक डा0 वकील अहमद, बहराईच इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के संचालक डा0 भूपराज श्रीवास्तव, उन्नाव इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के संचालक डा0 गौरव द्विवेदी, बलीदपुर (मऊ) इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के संचालक डा0 अयाज़ अहमद, आरती इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर जालौन के संचालक डा0 गया प्रसाद, बी0 के0 ई0 एच0 इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के संचालक डा0 नरेन्द्र भूषण निगम, फिरोजबाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर फिरोज़बाद के संचालक डा0 शिव कुमार पाल, धनपत लाल मेमोरियल मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी महाराजगंज के संचालक डा0 प्रिंस कुमार श्रीवास्तव आदि सभी अपने–अपने सेन्टर्स व इन्सटीट्यूट्स से छात्रों एवं छात्राओं के साथ आये थे कई प्रमुख बकायदा मिनी बस बुक कर के आये थे इस अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट/इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट, स्टडी सेन्टर्स के माध्यम से स्वर्ण जयन्ती समारोह में भाग लेने वाले छात्रों को पटके स्मृति पत्र देकर अलंकृत किया गया, इसी अवसर पर समस्त इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट/इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट, स्टडी सेन्टर्स के प्रमुखों को पटके व मोमेन्टों देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम सांयकाल 4 बजे तक चला, स्वर्ण जसन्ती कार्यक्रम हर दृष्टि से सफल रहा।

डा0 मानसी (हमीरपुर), डा0 एन0 बी0 निगम (हमीरपुर) एवं डा0 शिव कुमार पाल (फिरोज़ाबाद) बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी को स्मृति चिन्ह देते हुये।

## इलेक्ट्रो होम्योपैथी के एक सितारे ने साथ छोड़ा

कानपुर– 19 अप्रैल को रात्रि लगभग 8 बजे बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के वित्त नियंत्रक श्री मो0 ज़फर इदरीसी का देहान्त हो गया वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे, इस अप्रीय घटना से बोर्ड के समस्त स्टाफ में एक शोक की लहर दौड़ गयी श्री ज़फर बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी के पुत्र थे अभी 3 वर्ष पूर्व ही इनकी नियुक्ति बोर्ड में वित्त नियंत्रक के पद हुयी थी, श्री ज़फर हसमुख प्रवत्ति के थे समस्त स्टाफ के प्रति उनके स्वभाव में प्यार झलकता था कोई यदि दुःख में होता तो सदैव उसके दुःख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते, अपने से छोटे कर्मचारी का सदैव ख्याल रखते थे यदि कर्मचारी को कोई अर्थ की कमी आती तो वह सीधे श्री ज़फर से सम्पर्क करता और वह उसकी मदद भी कर दिया करते थे, ज्ञातव्य हो कि श्री मो0 ज़फर इदरीसी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति बड़े ही निष्ठावान व्यक्ति थे उनके असमय चले जाने से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में जो स्थान रिक्त हुआ है उसकी पूर्ति असम्भव है, स्मरण रहे कि 4 दिनों बाद बोर्ड का स्वर्ण जयन्ती समारोह लखनऊ में होना था लोगों में उथल–पुथल थी कि कार्यक्रम होगा कि नहीं परन्तु गज़ब का धैर्य, साहस पिता का था जिसने कह दिया **The Show must go on!** और स्वर्ण जयन्ती कार्यक्रम अपने निर्धारित समय से सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ ऐसे पिता को कोटि कोटि नमन श्री ज़फर मात्र 38 वर्ष के थे, ईश्वर उन्हे स्वर्ग में स्थान दे।

# स्वर्ण जयन्ती की धूम

स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर मंच से स्मृतिका जारी करते हुये क्रमशः बायें से दायें डा0 पी0 आर0 धूसिया, अज़मत उल्ला खान, डा0 सीता राम पंडित, श्री मुहम्मद खालिद, डा0 एम0 एच0 इदरीसी, डा0 पी0 के0 मौर्या, डा0 आर0 के0 शर्मा, श्री संजय द्विवेदी एवं डा0 आर0 सी0 मौर्या आदि।

स्वर्ण जयन्ती के मंच पर आसीन बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी